

प्रेषक,

डा0 एस0एस0 सन्धू,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

संयुक्त सचिव,  
राज्य निर्वाचन आयोग,  
देहरादून, उत्तरांचल।

आवास एवं शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून, दिनांक 66 अगस्त, 2004

विषय: वित्तीय वर्ष 2004-05 में राज्य निर्वाचन आयोग के अधिष्ठान के लिये अनुदान  
सं0-13 लेखा शीर्षक-2217 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर मद में वचनबद्ध मदों की  
स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त अनुभाग-1 के पत्र संख्या- 554/वि0अनु-1/2004, दिनांक 30 जुलाई, 2004, शारान के पत्र संख्या-1638/श0वि0-आ0-2004-201 (सामान्य)/2004, दिनांक: 02 अप्रैल, 2004 एवं शारानादेश संख्या-2048/V/श0वि0-आ0-04-201(सामान्य)/04, दिनांक: 23 अप्रैल, 2004 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष-2004-05 में आयोजनेत्तर मद में शारानादेश दिनांक: 02 अप्रैल, 2004 द्वारा लेखानुदान से 01 अप्रैल, 2004 से 31 जुलाई, 2004 तक की गयी वित्तीय स्वीकृत सहित कुल धनराशि रु0 38.64 लाख (अड़तीस लाख चौसठ हजार मात्र) संलग्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के साथ प्रदान करते हैं कि गितव्ययिता की मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जायेगा।

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यवर्तन अन्य मदों में नहीं किया जायेगा। मासिक व्यय तथा व्यय का व्यय विवरण बी0एम0-8 एवं बी0एम0-13 पर पर हर माह की 05 तारीख तक शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

3. शासनादेश दिनांक: 02 अप्रैल, 2004 द्वारा लेखानुदान से मद संख्या-03 महंगाई भत्ता के अन्तर्गत रु03.74 लाख की स्वीकृति निर्गत की गयी थी किन्तु अब चाले वित्तीय वर्ष-2004-2005 हेतु उक्त मद में केवल रु0 3.57 लाख की धनराशि का प्राविधान है, अतः सुनिश्चित कर लिया जाये कि उक्त मद में प्राविधानित धनराशि के अनुसार ही व्यय सीमित रखा जाये।

13/8/04

4. व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर परचेज रूल्स, मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेश, टेण्डर कोटेशन विषयक नियमों एवं तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

5. रचीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार आवश्यक मदों पर ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।

6. इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-13, लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-80-सामान्य-आयोजनेत्तर-001-निर्देशन एवं प्रसारन-03-नगर पंचायतों का चुनाव-00-के अन्तर्गत संलग्नकों में उल्लिखित सुरंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

7. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-544/वित्त अनु0-1/2004 दिनांक 31 जुलाई, 2004 द्वारा प्रतिनिधानित अधिकारों के अधीन जारी किए जा रहे हैं।  
भवदीय,

संलग्नक : यथोपरि।

(डा० एस०एस० सन्धु)  
सचिव।

संख्या: 3461 (1) श०वि०-आ०-2004-तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल।
2. प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तरांचल शासन।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-3/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन।
5. गाई बुक।

आज्ञा से,

(1/3/2004)

(डी०के० गुप्ता)  
अपर सचिव

शासनादेश संख्या - 3461 / V / श0वि0-आ0-2004-201 (सामान्य)  
/ 2004, दिनांक: 06-अगस्त, 2004 का संलग्नक

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र० संख्या	वर्ग संख्या	कुल स्वीकृत धनराशि (लेखानुदान द्वारा दि० 01 अप्रैल, 2004 से 31 जुलाई, 2004 तक स्वीकृत धनराशि सहित)
		1700
01	01-वेतन	
02	02-मजदूरी	29
03	03-महंगाई भत्ता	357
04	05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	10
05	06-अन्य भत्ते	263
06	08-कार्यालय व्यय	200
07	09-विद्युत देय	50
08	10-जलकर/जल प्रभार	05
09	13-टेलीफोन पर व्यय	150
10	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	150
11	17-किराया उपशुल्क और कर-स्वामित्व	100
12	48-महंगाई वेतन	850
	कुल योग	3864

(रु० अड़तीस लाख बीस हजार मात्र)

आज्ञा से

(डी०के० गुप्ता)  
अपर सचिव